प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा.शि.)
चम्पावत।

पत्रांक/निरीक्षण/ 4230 /2014–15 दिनांक 5 अगस्त 2014

विषय :– **विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जुलाई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के कम में विद्यालयों में निम्नवत कमिया पायी गयी है जिनमें सुधार की अपेक्षा है–

क0स0	विद्यालय का नाम	निरीक्षण में पायी गयी कमी
1	रा0प्रा0वि0 महात्मा गांधी टनकपुर	छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक रूप से किया जा रहा था। टी0एल0एम0 का प्रयोग आंशिक किया जा रहा था।
2	महात्मा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालय टनकपुर	
3	रा0प्रा0वि0 काकड	
4	रा0इ0का0 बाराकोट	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था। मध्यान्ह भोजन योजना की पंजिकाओं का अद्यतन नहीं किया गया था।
5	रा0क0इ0का0 काकड़	गतिविधि आधारित शिक्षण प्रायः नहीं के बराबर है। टी0एल0एम0 का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। मध्यान्ह भोजन से संबधित पंजिकाएं व्यवस्थित नहीं पायी गयी। छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक रूप से किया जा रहा है।
6	रा0इ0का0 बरदाखान	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा है। टी0एल0एम0 का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन नहीं किया जा रहा था।
7	रा0उ0प्रा0वि0 कुलेठी	छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक किया जा रहा था।
8	रा0उ0प्रा0वि0 डुंगरासेठी	

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया
5/8/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा.शि.)
देहरादून

पत्रांक/निरीक्षण/ 4231 /2014–15 दिनांक 5 अगस्त 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जुलाई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के क्रम में विद्यालयों में निम्नवत सुधार हेतु निर्देशित किया जाता है–

1 विद्यालय मानचित्रण यथा–निर्देशानुसार निर्मित किये जाये।
2 विद्यालय अभिलेखों की प्रविष्टि अद्यतन की जायें।
3 रा0प्रा0वि0 में गतिविधि आधारित आसन व्यवस्था हेतु प्रधानाध्यापक को निर्देशित करें।
4 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण नियमित रूप से किया जाय।
5 एस0एम0सी0 की बैठक भौतिक एवं अकादमिक संसाधनों के विकास पर केन्द्रित हो।
6 शिक्षकों द्वारा शैक्षिक दैनन्दिनी में नियमित रूप से प्रविष्टियां अंकित की जाए एवं संस्था प्रधान द्वारा उन्हे अवलोकित किया जाय।
7 प्रा0विद्यालयों में सी0सी0ई0 मानक प्रश्न पत्रानुसार उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कर किया जाय।
8 उपचारात्क शिक्षण की व्यवस्था की जाय।
9 विषयानुसार टी0एल0एम0 का निर्माण शिक्षकों के माध्यम से कराया जाय एवं विद्यालयों में टी0एल0एम0 कॉर्नर विकसित किये जांये।
10 गतिविधि आधारित शिक्षण पर प्रशिक्षण की व्यवस्था डायट के माध्यम से कराते हुये प्रोत्साहन दिया जाय।
11 प्रार्थना सभा की गतिविधियों पूर्णतः छात्रों द्वारा संचालित की जाय ।
12 अधिकांश विद्यालयों की श्रेणी एवं ग्रेड संतोषजनक C है जिसमें सुधार करते हुये उत्तम B उत्कृष्ट A श्रेणी में लाने हेतु प्रधानाध्यापको को निर्देशित करें।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/ सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया
5/8/14
(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (मा .शि.)
देहरादून

पत्रांक/निरीक्षण/ 4232 /2014–15 दिनांक 13 अगस्त 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जुलाई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के कम में विद्यालयों में निम्नवत् सुधार हेतु निर्देशित किया जाता है–

1 शिक्षकों द्वारा शैक्षिक दैनन्दिनी में नियमित रूप से प्रविष्टियां अंकित की जाए एवं संस्था प्रधान द्वारा उन्हे अवलोकित किया जाय।
2 प्रार्थना सभा की गतिविधियों पूर्णतः छात्रों द्वारा संचालित समस्त उपकरणों के साथ सदनानुसार की जाय।
3 . इकाई परीक्षाओं के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था की जाय।
4 विद्यालयों में सभी कम्प्यूटर संचालित अवस्था में रहें तथा कम्प्यूटर का प्रयोग शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में किया जाय।
5 विज्ञान प्रयोगशालाओं एवं पुस्तकालय का प्रयोग छात्रहित में अधिकतम किया जाय तथा विद्यालय स्तर पर अभिलेखिकरण किया जाय।
6 निरीक्षित विद्यालयों में निरीक्षण तिथि को छात्र उपस्थिति न्यून अथवा अति न्यून पायी गयी है। प्रधानाचार्य को छात्र–छात्रओं की उपस्थिति के प्रति संवेदनशील रहने को निर्देशित करें।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया

5/8/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

मुख्य शिक्षा अधिकारी
देहरादून

पत्रांक/निरीक्षण/ 4233 /2014–15 दिनांक 5 अगस्त 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जुलाई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के क्रम में संज्ञान में आया है कि रा0उ0मा0वि0 झींवरेहडी, संजय पब्लिक स्कूल झींवरेहडी, रा0इ0का0 मेहूँवाला, ज0प्रा0वि0 मलहान सहसपुर व ज0जू0हा0स्कूल मलहान में निरीक्षण तिथि दिनांक 02 जुलाई 2014 को छात्र उपस्थिति न्यून अथवा अतिन्यून पायी गयी है। सम्बन्धित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य को चेतावनी निर्गत करते हुये छात्र उपस्थिति के प्रति संवेदनशील रहने हेतु निर्देशित करें। साथ ही निर्देशित किया जाता है कि खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/ सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया

5/8/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी, प्राराम्भिक शिक्षा
पिथौरागढ।

पत्रांक/निरीक्षण/ 4234 /2014–15 दिनांक 5 अगस्त 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जुलाई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के कम में संज्ञान में आया है कि रा0उ0प्रा0वि0 देवलालगांव ब्लॉक विण में पेयजल संयोजन नहीं है। तदकम में आपको निर्देशित किया जाता है कि पेयजल संयोजन/हैडपम्प की व्यवस्था विद्यालय में करने हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही करते हुये विद्यालय में जलापूर्ति की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें।

साथ ही निर्देशित किया जाता है कि खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया

5/8/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

मुख्य शिक्षा अधिकारी
चम्पावत

पत्रांक / निरीक्षण / 4235 / 2014–15 दिनांक 5 अगस्त 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जुलाई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के कम में विद्यालयों में निम्नवत कमिया पायी गयी है जिनमें सुधार की अपेक्षा है–

क्र0सं0	विद्यालय का नाम	निरीक्षण में पायी गयी कमी
1	रा0प्रा0वि0 चंदनी चम्पावत	मध्यान्ह भोजन योजना की पंजिकाओं व कैश बुक नियमित रूप से नहीं बनायी जा रही है।
2	ज0उ0मा0वि0 चंदनी चम्पावत	
3	रा0प्रा0वि0 दयारतोली	बच्चों का बौद्धिक स्तर न्यून है।
4	रा0प्रा0वि0 नदियालगांव	छात्र संख्या न्यून व गणित में छात्रों की अधिगम स्तर न्यून है।
5	रा0क0इ0का0 बनबसा	बच्चों का बौद्धिक स्तर न्यून है।

उक्त के अतिरिक्त अधिकांश विद्यालयों में पायी गयी कमियों के संदर्भ में प्रधानाध्यापक / प्रधानाचार्य को निम्नवत् निर्देशित करने का कष्ट करें–

1. शिक्षकों द्वारा शैक्षिक दैनन्दिनी में नियमित रूप से प्रविष्टियां अंकित की जाए एवं संस्था प्रधान द्वारा उन्हें अवलोकित किया जाय।
2. विद्यालयों में मरम्मतयोग्य श्यामपट्ट की तुरन्त मरम्मत करायी जाये।
3. विषयानुसार टी0एल0एम0 का निर्माण शिक्षकों के माध्यम से कराया जाय एवं विद्यालयों में टी0एल0एम0 कॉर्नर विकसित करते हुये टी0एल0एम0 का प्रयोग शिक्षण में किया जाय।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों / बी0आर0सी0 / सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया

5/8/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (मा .शि.)
नैनीताल।

पत्रांक/निरीक्षण/ 4236 /2014–15 दिनांक 5 अगस्त 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जुलाई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के कम में निम्नवत तथ्य संज्ञान में आये हैं–

1. रा0उ0मा0वि0 धौलाखेडा हल्द्वानी में निरीक्षण तिथि को तृतीय वादन में कक्षायें अध्यापक विहीन पायी गयी। पूर्व निरीक्षण में भी उक्त विद्यालय में अव्यस्थाये पायी गयी। तदकम में आपको निर्देशित किया जाता है कि सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापक को कठोर चेतावनी निर्गत करें।
2. रा0उ0मा0वि0 रानीबाग भीमताल में विद्यालय प्रांगण में शराब की बोतलों की सफाई छात्र–छात्राओं द्वारा कराये जाने के संदर्भ में आपको निर्देशित किया जाता है कि उप जिलाधिकारी भीमताल को सूचित कर विद्यालय प्रांगण में विद्यालय बंद होने के बाद शराब पीने वाले अवांछनीय तत्वों पर कानूनी कार्यवाही करने के संदर्भ में अग्रेत्तर कार्यवाही करें।
3. रा0इ0का0 फूलचौड में कार्यरत श्री ललित मोहन उपाध्याय सचिवालय में विगत चार वर्ष से सम्बन्ध हैं। श्री उपाध्याय का सम्बद्धिकरण समाप्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

भवदीया
5/8/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

अपर शिक्षा निदेशक प्रा0शि0
कुमायूँ मण्डल नैनीताल।

पत्रांक/निरीक्षण/ 4237 /2014–15 दिनांक 5 अगस्त 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित जुलाई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा विद्यालयों में निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

निरीक्षित विद्यालय	निरीक्षण में पायी गयी कमी	अपेक्षित कार्यवाही
रा0पू0मा0वि0 कलचौडा	शैक्षिक स्तर सामान्य पाया गया।	उपचारात्मक शिक्षण के माध्यम से छात्र सम्प्राप्ति स्तर सुधारने हेतु प्रधानाध्यापक का निर्देशित करें।
रा0प्रा0वि0 पचपकिया बनबसा	विद्यालय दिनांक 01 जुलाई 2014 को समय से पूर्व बन्द पाया गया। तथा एम0डी0एम0 नहीं बना था।	प्रधानाध्यापक को कठोर चेतावनी निर्गत करें।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें व अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

5/8/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड